

जाट समाज छात्रावास, नीककाथाना, सीकर

1. छात्रावास का नाम व पता — जाट समाज छात्रावास, नीकका थाना, सीकर

2. इतिहास — समय के साथ जाट समाज को समाज के विकास हेतु एक मंच की आवश्यकता थी जिस पर एकत्र हो सके एवं समाज के उत्थान हेतु शिक्षा की अलख जगाई जा सके। साथ ही समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों को दूर करने हेतु समाज के बन्धु मिल बैठकर चर्चा कर सके।

इसी उद्देश्य हेतु समाज के बन्धुओं ने मिल बैठकर छात्रावास के निर्माण हेतु विचार विमर्श किया गया। चूंकि नीमका थाना में अन्य समाजों के छात्रावास संचालित हो रहे थे समाज को एक ऐसे मंच की आवश्यकता थी जिसमें मुख्य रूप से शिक्षा के साथ ही समाज के लोग एक जाजम पर बैठकर सामाजिक एवं राजनैतिक गतिविधियों के सन्दर्भ में आपसी विचारों का आदान प्रदान कर सके चूंकि समाज के बिखराव को एक जगह लाकर बिठाने के लिए एक प्लेटफार्म होना चाहिए था।

समाज के पास धनाभाव नहीं था सिर्फ सबको एक मालारूपी धागे में पिरोना था। नीम का थाना के पड़ोस में ही झुन्झनू जिला लगता है जिसमें मुख्य रूप से खेतड़ी एवं उदयपुरवाटी तहसील के गांव लगते हैं। विद्यार्थियों को शहर में अध्ययन हेतु मकान मुख्य समस्या थी जिसमें विशेष रूप से समाज के निर्धन परिवारों को जिसकी महती आवश्यकता थी इन्हीं सब बातों को समाज के लोगों ने समझा एवं जाना एवं एक हॉस्टल निर्माण कमेटी का गठन किया गया। जिसका अध्यक्ष डा. जवाहर सिंह चौधरी को बनाया गया। जिसके पदाधिकारी इस प्रकार थे —

अध्यक्ष— डॉ. जवाहर सिंह चौधरी

उपाध्यक्ष— झाबर सिंह जी बिजारनिया

मंत्री— घासीराम जी खेदड़, श्यामलाल भावरिया, प्रभुदयाल लोचिब, सोहन चौधरी, दयाराम चाहर, श्यामलाल कृष्णीया थे।

इस कमेटी का गठन 1968 में किया गया। तत्कालीन मंत्री माननीय कुम्भाराम जी आर्य के द्वारा समाज के हॉस्टल की नींव का विधिवत उदघाटन किया गया। नींव का कार्य प्रारम्भ होने के पश्चात निर्माण हेतु धन की आवश्यकता थी। इसी को मद्देनजर रखते हुए समाज के द्वारा गठित कमेटी के सदस्यों में सर्वप्रथम श्यामलाल भावरिया, झाबर जी बिजारनिया, घासीराम खेदड़, सोहन चौधरी ने मिलकर 4 कमरों का निर्माण करवाया। 2 कमरों का निर्माण समाज के चन्दे के द्वारा करवाया गया। इसके तत्पश्चात छात्रावास को छात्रों के अध्ययन हेतु शुरू कर दिया गया।

कालान्तर में समाज के लोगों ने भविष्य की रूपरेखा तैयार की । जिसमें समाज की एक बड़ी मीटिंग का आयोजन किया गया । उसमें विचार विमर्श किया गया कि अपनी हॉस्टल की जमीन के चारों तरफ चार दीवारी का कार्य करवाया जावे जिसमें धन की आवश्यकता होगी । इस हेतु कमेटी ने निर्णय किया कि इसमें सदस्यता अभियान चलाया जाये। इसमें 51000 हजार रुपया आजीवन सदस्यता शुल्क निर्धारित किया गया। कमेटी ने अपने स्वयं के खर्च से गांवों घूमकर इस अभियान को जारी रखा जिसमें समाज के दानदाताओं यथा जोधाराम जी ढिलाण, इन्दाराम जी ढिलाण, रतनलाल जी दीवाच, हरफूल जी दीवाच, चन्दगी राम कुल्हरी, ज्ञान जी सामोता, हुशियार जी लोशा, रामसिंह जी नरवाड़िया जी, मानसिंह जी, सामोता, कालूराम फानण, भगवाना राम जी खरबास, श्रीचन्द मास्टरजी, बुजन जी जाखड़, जगदीश जाखड़ इत्यादि के सहयोग से 51000 हजार रुपया सदस्यता शुल्क प्रति परिवार जो इसे अदा करने में सक्षम था उनसे लिया गया, जिसमें आज तक कुल समाज के 704 आजीवन सदस्य है। उसी दौरान चन्दे की एकत्रित राशि से समाज के हॉस्टल के चार दीवारी का कार्य 15 बीघा में (बाउण्डरी) करवाया गया।

समय के साथ में ही समाज के हॉस्टल को वृहद रूप में तब्दील करने हेतु हॉस्टल की नई बिल्डिंग का उदघाटन विधिवत रूप से तत्कालीन ग्रामीण विकास राज्य मंत्री माननीय सुभाष जी महरिया के द्वारा 2 अप्रैल 2000 को किया गया जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. ज्ञानप्रकाश पिलानिया पुलिस महानिदेशक एवं अध्यक्ष जाट समाज के अध्यक्ष माननीय राजाराम जी मील थें।

3. **भौतिक संसाधन** – हॉस्टल की नई बिल्डिंग जो 2470 वर्ग गज में बनवाई गई है। जिसमें एक मीटिंग हाल 55x36 फिट एरिया में है। लाइब्रेरी हॉल है। कुल 41 कमरे डबल बेड है। हॉस्टल के छात्रों के खान पान हेतु किचन एवं डाईनिंग हॉल है। इसके साथ 5 स्नान घर एवं 5 सुविधा घर है। हॉस्टल के सामने वॉलीबाल ग्राउण्ड एवं बास्केटबाल ग्राउण्ड है विद्यार्थियों के अध्ययन हेतु RS-CIT मा प्राप्त कम्प्युटर लैब संचालित है। ऑनलाइन क्लास हेतु वाई फाई सुविधा है। विद्यार्थियों के शारीरिक व्यायाम हेतु 400 मीटर ट्रैक एवं हॉकी ग्राउण्ड, फुटबाल ग्राउण्ड इत्यादि की व्यवस्था प्रदान की गई है।
4. **कार्यकारिणी** – आज तक जो हॉस्टल को संचालित किया गया उसमें अध्यक्षों की सूची निम्न प्रकार से है।

सर्वप्रथम-अध्यक्ष- डॉ. जवाहर सिंह चौधरी

अध्यक्ष- दयाराम जी चाहर

अध्यक्ष- रतनलाल जी दीवाच

अध्यक्ष- जोधाराम जी दिलाण

अध्यक्ष- विनोद जाखड़

अध्यक्ष- हरिसिंह गौड़ावास वर्तमान अध्यक्ष है।

मुख्य दानदाताओं की सूची—

1. 251000 श्री झाबर जी बिजारनिया नीम का थाना
2. 151000 श्री चन्दगी राम जी कुल्हरी नीम का थाना
3. 251000 श्री संजय चौधरी गोरधनपुरा
4. 500000 सांसद कोटा माननीय सुभाष जी महारिया
5. 100000 श्री परमाराम केंकोड़िया गोरधनपुरा
6. 100000 श्री सुल्तान जी भूराराम जी जाखड़ नीम का थाना
7. 100000 श्री कैलाश जी रोहिलाण अरावली शिक्षण संस्थान नीम का थाना
8. 100000 श्री कर्नल राम जी लालकृष्णीया पुरानाबास
9. 100000 श्री मुखराम जी डांगी नीम का थाना